ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत को जानना है तो हिंदी जरूरी : न्यायमूर्ति गौतम चौधरी

हिंदी विवि में 'न्याय के क्षेत्र में राजभाषा हिंदी संभावनाएं एवं चुनौतियां' विषय पर हुआ विशिष्ट व्याख्यान

वर्धा, 24 सितंबर 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रयागराज केंद्र पर 'न्याय के क्षेत्र में राजभाषा हिंदी संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर सोमवार, 23 सितंबर को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय प्रयागराज के माननीय न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी रहे। उन्होंने कहा कि हिंदी को अपनाने के लिए हमने मन से प्रयास नहीं किया है। जरूरी नहीं है कि हम कठिन हिन्दी का प्रयोग करें, लोगों को समझ में आने वाली आसान भाषा का प्रयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी जानना मतलब विश्व को जानना और हिंदी जानना मतलब अपने भारत को जानना। हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए हमें रूढ़ियों को तोड़ना होगा। हिंदी में काम करने में कोई बाधा नहीं है, सिर्फ इच्छा शक्ति का अभाव है। हम गुलामी की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। आज भी हमारे समाज में अंग्रेजी पढ़ने, बोलने वालों को ज्यादा शिक्षित समझा जाता है। जबकि चीन, जापान जैसे दुनिया के तमाम दूसरे देशों में अपनी भाषा में पढ़ने बोलने को प्राथमिकता दी जाती है। हमें हिंदी को रोजी-रोटी की भाषा बनाने की आवश्यकता है।

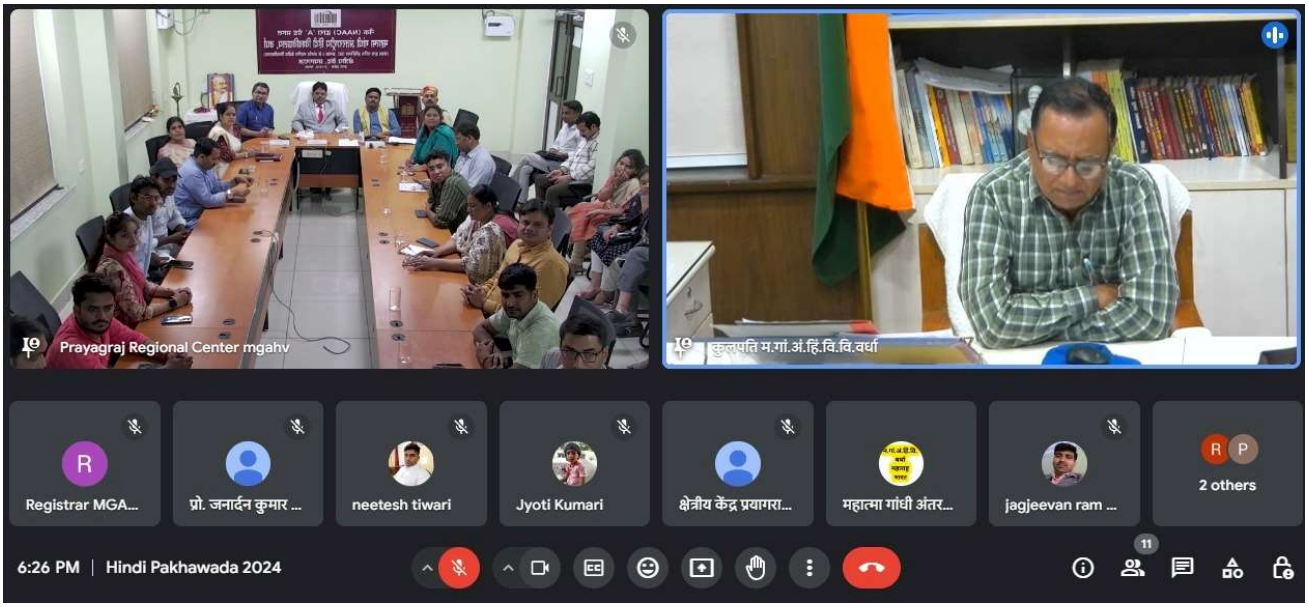

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि संवाद से सम्भावनाओं के द्वार खुलते हैं। माननीय न्यायमूर्ति गौतम चौधरी ने जो प्रयास हिंदी भाषा के लिए किए है उससे अनेक सम्भावनाओं के मार्ग न्याय के क्षेत्र में खुलेंगे। न्यायमूर्ति गौतम चौधरी जी की तरह के लोगों को न्याय के क्षेत्र में अत्यधिक आवश्यकता है। हमें प्रयास करना होगा कि हमारी मातृभाषा के रूप में अंग्रेजी की जगह हिंदी भाषा को स्थान मिलना चाहिए। शेक्सपियर से बड़े कवि कालिदास रहे हैं, हिंदी में सूरदास, कबीरदास, रामचंद्र शुक्ल जैसे महान साहित्यकार हुए जिनके साहित्य का लोहा दुनिया मानती है।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

स्वागत वक्तव्य क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के अकादमिक निदेशक प्रोफेसर दिगंबर तंगलवाड ने किया। उन्होंने प्रयागराज उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी का विस्तृत परिचय कराया तथा उन्हें सम्मान पत्र दे कर सम्मानित किया। महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। केंद्र के अकादमिक निदेशक ने अतिथियों को विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और सूत की माला देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अखिलेश कुमार दुबे ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनूप त्रिपाठी ने किया तथा आभार कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील ने ऑनलाइन माध्यम से माना। इस अवसर पर जनसंचार के विद्यार्थियों द्वारा प्रायोगिक समाचार पत्र मीडिया समय का लोकार्पण भी किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज की डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ.आशा मिश्रा, डॉ अख्तर आलम, डॉ. मिथिलेश तिवारी, डॉ. सत्यवीर, डॉ. श्याम सिंह, जयेंद्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्तव, राहुल त्रिपाठी, उमेश शर्मा, आदित्य, प्रभात, अनुज, प्रशान्त सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नमस्कार !

मा. संपादक/संवाददाता महोदय, कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद।